



रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

पायोनियर

www.dailypioneer.com रायपुर, रविवार 02 जून 2024 पृष्ठ-12 वर्ष-08, अंक-280 मूल्य 3.00 ₹



विवेक न्यूज

इंडिया समूह का 295 से ज्यादा सीटों पर जीत का दावा नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया है कि इंडिया समूह को इस आम चुनाव में कम से कम 295 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल हो रही है। खड़गे ने इंडिया समूह के शीर्ष नेताओं की उनके आवास पर हुई बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि समूह के नेताओं से मिली जानकारी और उसके आधार पर किए गए आकलन से स्पष्ट होता है कि इंडिया समूह 295 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल कर रहा है। उनका कहना था कि इंडिया समूह को इससे ज्यादा सीटों पर जीत मिल रही है लेकिन 295 से कम सीट यह नहीं जीत रहा है।

जेल जाने से बचने केजरीवाल की कोशिश नाकाम

नयी दिल्ली। शराब घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दो जून को तिहाड़ जेल प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने से बचने की आखिरी कोशिश नाकाम साबित हुई। विशेष अदालत ने मेडिकल आधार पर मुख्यमंत्री सात दिनों की अंतरिम जमानत की गुहार वाली याचिका पर पांच जून के लिए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

घरेलू बिजली दर में 20 पैसे यूनिट की वृद्धि

बीते वर्षों में बिजली कंपनी को 4 हजार 4 सौ करोड़ का घाटा हुआ

पायोनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

बिजली कंपनी को हो रहे नुकसान के चलते छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग ने घरेलू बिजली की दरों में 20 पैसे प्रति यूनिट की दर से वृद्धि करने की घोषणा की है। बीते वर्षों में बिजली कंपनी को 4 हजार 4 सौ करोड़ का घाटा हुआ है। बिजली विभाग को 20 फीसदी का नुकसान हुआ है। जिसको लेकर राज्य सरकार ने बिजली कंपनी को घाटे की भरपाई के लिए 1 हजार करोड़ का अनुदान दिया है। अब बिजली की दरों में 8.35 फीसदी की वृद्धि होगी और 20 पैसे प्रति यूनिट की दर से रेट में बढ़ोतरी होगी। नियामक आयोग के चेयरमैन हेमंत कुमार वर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर बिजली की नई दरों का ऐलान किया है। पहले सौ यूनिट तक बिजली की दर तीन रूपए सत्तर पैसे



थी, जिसमें 20 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। कुल मिलाकर सौ यूनिट तक की बिजली 3.90 रूपए हो गई है। इसी तरह सौ यूनिट से अधिक और दो सौ यूनिट तक बिजली की दरें 3.90 रूपए थीं। जो कि बढ़कर 4.10 रूपए हो गई है। आयोग ने 201 से 400 यूनिट तक बिजली की दरें 5.30 रूपए बढ़कर 5.50 रूपए कर दी है। इसी तरह 401 से 600 यूनिट तक दरें 6.30 रूपए से बढ़कर 6.50 रूपए हो गई है। 601 या उससे अधिक की दरों में 20 पैसे की

बढ़ोतरी रखी गई है जो कि 7.90 रूपए से बढ़कर 8.10 रूपए कर दी गई है। आयोग ने गैर घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली में भी 20 फीसदी की बढ़ोतरी की है। कृषि उपभोक्ताओं के लिए सौ रूपए प्रति एचपी बिजली की दर थी। प्रति यूनिट बिजली 5.05 रूपए यूनिट से बढ़कर 5.30 रूपए कर दी गई है। कृषि संबंधी अन्य का मांग आधारित 15 किलोवाट से 112.5 किलोवाट तक 200 रूपए प्रति किलोवाट बिजली की दर 5.65 यूनिट थी जो कि बढ़कर 6.25 रूपए हो गई है। उन्होंने बताया कि 25 एचपी तक (आटा चक्की/पावर लूम) 80 रूपए प्रति माह भुगतान करना होगा। बिजली की दर 4.15 रूपए प्रति यूनिट थी जिसे बढ़कर 4.75 रूपए कर दी गई है। सरगुजा और बस्तर प्राधिकरण में आने वाले क्षेत्र के लिए

25 एचपी तक आटा चक्की और पावरलूम को बढ़ाकर 80 रूपए प्रति माह किया गया है। बिजली की दर 3.75 रूपए से बढ़कर 4.25 प्रति यूनिट किया गया है। 25 एचपी तक औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए 1.20 रूपए प्रति किलोवाट भुगतान करना होगा जिसे बढ़कर 4.15 रूपए से 4.75 रूपए कर दिया गया है। 25 एचपी से अधिक डेढ़ सौ एचपी तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को डेढ़ सौ रूपए प्रति किलोवाट दर भुगतान करना होगा। इस श्रेणी के बिजली की दरें 5.90 रूपए प्रति यूनिट से बढ़कर 6.50 रूपए कर दिया गया है। आईटी, निर्यात आधारित उद्योग को डेढ़ सौ रूपए बिजली प्रति किलोवाट प्रतिमाह देना होगा। इस श्रेणी के उपभोक्ताओं की बिजली 5.15 रूपए से बढ़कर 5.75 रूपए कर दी गई है।

आम चुनावों के अंतिम चरण में मतदान 58.34 प्रतिशत

वार्ता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

लोक सभा चुनाव के सातवें एवं अंतिम चरण में आठ राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की 57 सीटों पर शनिवार को हुए मतदान में औसतन 58.34 प्रतिशत मतदान हुआ। सभी सीटों के लिये मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और यह शाम छह बजे तक चला। देश के विभिन्न अंचलों में तेज गर्मी और लू के बावजूद कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लम्बी कतारें देखी गयीं। चुनाव आयोग ने बताया कि सातवें और अंतिम चरण में संबंधित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में शाम पांच बजे तक 58.34 प्रतिशत और ओडिशा विधानसभा के चौथे एवं अंतिम चरण के मतदान में बाकी 42 सीटों पर 62.46 प्रतिशत वोट डाले गये थे। शाम पांच बजे तक पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 69.89 प्रतिशत मतदान हुआ था, जबकि बिहार में सबसे कम 48.86



राज्य/ केन्द्रशासित प्रदेश...	मतदान प्रतिशत
बिहार.....	48.86
चंडीगढ़.....	62.80
हिमाचल प्रदेश.....	66.56
झारखंड.....	67.95
ओडिशा.....	62.46
पंजाब.....	55.20
उत्तर प्रदेश.....	54.00
पश्चिम बंगाल.....	69.89

प्रतिशत मत पड़े हैं। आयोग के सूत्रों के अनुसार कई मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें देखी गयी हैं, पश्चिम बंगाल और पंजाब में कुछ जगह विभिन्न राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच छिट-पुट टकराव की घटनाओं को छोड़कर सभी जगह मतदान शांतिपूर्ण

है। कुछ जगह इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों में खराबी से मतदाताओं को परेशानी हुई। आयोग ने तेज गर्मी में मतदाताओं की सुविधा के लिये मतदान केंद्रों पर पेयजल और छाया की सुविधायें करायी हैं। पश्चिम बंगाल में कुछ मतदान केंद्रों के बाहर छिटपुट हिंसा और मतदान एजेंटों को भगाने के प्रयासों की रिपोर्टें सामने आयी हैं। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के खलीनी में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के खराब होने से मतदान करीब डेढ़ घंटा देरी से शुरू हुआ। मंडी जिला के विधानसभा क्षेत्र सुंदरनगर में पांच बूथों में मतदाताओं को उस समय परेशानी झेलनी पड़ी, जब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन खराब हो गयी। पंजाब के जालंधर के गांव मंसूरपुर में मंडाला के पोलिंग बूथ पर खुनी झड़प में आप के कार्यकर्ताओं ने तेजधार हथियारों से हमला कर एक पोलिंग एजेंट तजिंदर सिंह को घायल कर दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चिंतन शिविर के दूसरे दिन आईआईएम परिसर का मंत्रीगणों के साथ किया भ्रमण

पायोनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

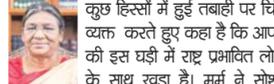
मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) में आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर के दूसरे दिन मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री साय ने योगाभ्यास के बाद मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान परिसर का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान परिसर स्थित स्पोर्ट्स कैम्पस (अखाड़ा), हॉस्टल मेस,



फाउंडेशन स्टोन (आधारशिला), प्रशासनिक भवन (कर्मशाला), जैव विविधता के लिए निर्मित परिसर और क्वींस पैलेस का भ्रमण किया। उन्होंने क्वींस पैलेस से आईआईएम के विहंगम दृश्य का अवलोकन किया। इस दौरान आईआईएम के प्रोफेसर सत्यशिवा दस और कॉरपोरेट रिलेशन ऑफिसर गिरिश पहाड़िया ने संस्थान के बारे में मुख्यमंत्री साय और मंत्रीगणों को जानकारी दी। संस्थान के अधिकारियों ने प्रशासनिक भवन में रखी हुई संस्थान की रैप्लिका के माध्यम से निर्माणाधीन संरचनाओं और भावी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

रेमल चक्रवात से प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है राष्ट्र : मुर्मू

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रेमल चक्रवात के कारण पश्चिम बंगाल, असम और पूर्वांचल के कुछ हिस्सों में हुई तबाही पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि आपदा की इस घड़ी में राष्ट्र प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है। मुर्मू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, चक्रवात रेमल ने पश्चिम बंगाल, असम, पूर्वांचल के कुछ हिस्सों और तेलंगाना में भी भारी तबाही मचाई है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ बड़े पैमाने पर विस्थापन की खबरें परेशान करने वाली हैं। राष्ट्र इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है।



रायपुर। प्रदेश में नौतपा की भीषण गर्मी के कारण अब तक अलग-अलग जिलों में सात लोगों की जान जा चुकी है। बुकवार को बलौदाबाजार के भैंसा में एक मन्तरंगा मजदूर ने दम तोड़ दिया। वह काम करके लौटा था, अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, दूसरी ओर अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ गई है। स्कूलों के समूह केंद्र स्थगित कर दिए गए हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री किष्णुदेव साय ने लोगों से अपना ध्यान रखने और बहुत जरूरी होने पर ही घर से निकलने की अपील की है। अस्पतालों में बुखार, उल्टी दस्त, डिहाइड्रेशन के लक्षणों से निवारण के लिए डॉक्टरों को फायर फाइट की जांच के निर्देश दिए हैं।

लू के कहर से प्रदेश में सात लोगों की मौत

रायपुर। प्रदेश में नौतपा की भीषण गर्मी के कारण अब तक अलग-अलग जिलों में सात लोगों की जान जा चुकी है। बुकवार को बलौदाबाजार के भैंसा में एक मन्तरंगा मजदूर ने दम तोड़ दिया। वह काम करके लौटा था, अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, दूसरी ओर अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ गई है। स्कूलों के समूह केंद्र स्थगित कर दिए गए हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री किष्णुदेव साय ने लोगों से अपना ध्यान रखने और बहुत जरूरी होने पर ही घर से निकलने की अपील की है। अस्पतालों में बुखार, उल्टी दस्त, डिहाइड्रेशन के लक्षणों से निवारण के लिए डॉक्टरों को फायर फाइट की जांच के निर्देश दिए हैं।

गई है। यहाँ अभी 150 मरीज भर्ती हैं। जिला अस्पताल की ओपीडी में 300 से अधिक मरीज आ रहे हैं। यहाँ डिहाइड्रेशन के 30 मरीज भर्ती हैं। जांजगीर-छाप जिला अस्पताल में साढ़े तीन सौ से अधिक लोग आ रहे हैं। यहाँ लू से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। सरगुजा में लू से चार दिनों में 71 लोग बीमार हुए हैं। दुर्ग के सिविल अस्पताल तीन दिनों में तीन सौ से ज्यादा मरीज आए हैं। कोरबा मेडिकल कालेज में एक हफ्ते में लू के नौ मरीज आए हैं। गर्मी में घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री किष्णुदेव साय ने सभी संस्थाओं को फायर फाइट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट साड़ा करते हुए अधिकारियों को फायर फाइट की जांच के निर्देश दिए हैं।

श्री बालाजी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

Advance Center For Neuro Sciences

DR. KAMLAKANT BHOI
MBBS, MD (Medicine) DM (Neurology- Kolkata)
Ex- Neurologist- IHBAS (N Delhi)
Sr. Neurophysician & Neuromuscular Specialist

DR. PIYUSH KUMAR ANSHU
MBBS, MD (Internal medicine-Gold medalist)
DM (Neurology), DRNB (Neurology)
FNB (Neurointervention)
Intervention Neurologist & Stroke Specialist

अत्याधुनिक सुविधाएँ

- MRI
- CT Scan
- CAROTID DOPPLER
- CEREBRAL ANGIOGRAPHY
- X-RAY,USG
- NCV/EMG
- VEP \ BERA \ SSEP
- EEG-VIDEO
- POLYSOMNOGRAPHY (PSG)
- NERVE / MUSCLE BIOPSY
- NEURO ICU
- STROKE THROMBOLYSIS
- BRAIN/SPINE SURGERY
- VERTIGO LAB
- BOTULINUM TOXIN INJ
- STROKE REHABILITATION
- PHYSIOTHERAPY
- CLINICAL PSYCHOLOGY
- PSYCHIATRY

इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजी

- दिमाग की नसों का एंजियोग्राफी की जांच
- लकवा/ पैरालिसिस/ स्ट्रोक के मरीज में बिना चीरफाड़ के, एंजियोग्राफी के रस्ते नस खोलने की प्रक्रिया (श्रोम्बेक्टोमी)
- ब्रेन हैमरेज के मरीज में खून के नस गुब्बारों की बिना चीर फाड़ के इलाज
- कैरोडिड एंजियोप्लास्टी एवं स्टेंटिंग को सुविधा
- दिमाग में खून की नसों के गुच्छे (AVM) और फिस्टुला एंजियोग्राफी के रस्ते से इलाज
- नसों के ब्लॉकेज का बिना ओपन सर्जरी के इलाज

आप में निम्न लक्षण पाए जाने पर

लकवा, मिर्गी, सिर दर्द, न्यूरोपैथी, चक्कर आना, माइग्रेन, अनिद्रा, पार्किंसन, मेनिन्जाइटिस, ब्रेन हेमरेज, ब्रेन ट्यूमर, टीबी स्पाइन, स्पाइन ट्रामा, हेड इंजुरी, स्लीप डिस्क एवं नस संबंधित समस्या

आयुष्मान भारत, BSKY/नवीन कार्ड (ओडिशा), ESIC एवं समस्त TPA (हेल्थ इश्योरेंस) से इलाज एवं ऑपरेशन की सुविधा

मोवा, रायपुर, फोन : 9340019842, 7389116903, 9926191294, 0771-4241000/01/02

कलेक्टर ने नगर सेना की पूरी टीम को बेहतर प्रदर्शन की सराहना की

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सॉफ्टबॉल महिला चैंपियनशिप के लिए टीम पंजाब रवाना

कलेक्टर की उपस्थिति में नगर सेना की टीम ने कोतापाल तालाब में किया मॉकड्रिल, बाढ़ एवं आपदा से बचाव की तैयारी हुई पूर्ण

पायनियर संवाददाता < बीजापुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर अनुराग पाण्डेय की उपस्थिति में नगर सेना बीजापुर के सैनिकों ने आगामी बरसात में संभावित बाढ़ एवं आपदा से बचाव के लिए कोतापाल तालाब में मॉकड्रिल कर परीक्षण किया। बाढ़ एवं संकट में फंसे किसी व्यक्ति को कैसे बचाया जाये, इसका जीवंत प्रदर्शन उपस्थित लोगों के बीच किया गया। ताकि वास्तविक संकट के हालात से सामना होने पर किसी प्रकार के चूक की गुंजाइश न हो। बचाव में काम आने वाली बोट, 3 एचडीपीई बोट, 1 रबर बोट सहित अन्य बोट सभी उपकरण सही एवं चालू हालत में पाए गये। कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने टीम को संबोधित करते हुए कहा कि बाढ़ आपदा एवं संकट की स्थिति में उनके साहसिक कार्यों की प्रशंसा



करते हुए हौसला आफनाई किया। कलेक्टर पाण्डेय ने टीम को संबोधित करते हुए कहा कि बाढ़ आपदा एवं संकट की स्थिति में रेस्क्यू अभियान के दौरान स्वयं को

भी सुरक्षित रखकर सफल ऑपरेशन कर लोगों की जिंदगी बचाने के लिए तत्पर रहने की समझाइस दी। साथ ही परे लू वस्तुओं से बाढ़ आपदा के समय अपने साथ दूसरों को कैसे

बताये इसकी जानकारी दी गयी। इस दौरान बाढ़ आपदा प्रबंधन प्रभारी संयुक्त कलेक्टर कैलाश वर्मा ने बाढ़ एवं आपदा से संबंधित जानकारी का जायजा लिया। जिला सेनानी नगर

सेना एन एस नेताम के नेतृत्व में मॉकड्रिल की कार्रवाई सम्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि बरसात का सीजन शुरू होने के पूर्व संभावित आपदा को ध्यान में रखते हुए यह मॉकड्रिल किया गया तथा बाढ़ आपदा के समय काम आने वाले उपकरणों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया गया। नेताम ने बताया कि बाढ़ बचाव दल में 30 सदस्यों की टीम चौबीसों घंटे आपदा से निपटने के लिए तैयार रहती है। नगर सेना, नागरिक सुरक्षा, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा एवं एसडीआरएफ तथा जिला प्रशासन के आदेश एवं निर्देशन में यह बाढ़ बचाव टीम हमेशा तैयार रहती है। इस दौरान एसडीएम बीजापुर जागेश्वर कौशल, एसडीएम उमरू, तहसीलदार बीजापुर डीआर ध्रुव सहित जिला प्रशासन, नगर सेना एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।



पायनियर संवाददाता < बीजापुर
www.dailypioneer.com

उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित होने वाली ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में बीजापुर जिले के 3 महिला सॉफ्टबॉल खिलाड़ियों का चयन शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर की टीम से हुआ है उक्त प्रतियोगिता पंजाब के फगवाड़ा में लवली प्रोफेशनल युनिवर्सिटी में 4 से 8 जून तक आयोजित होगी जिसमें बीजापुर

जिले के शासकीय वेंकटराव कॉलेज के 3 खिलाड़ी ज्योति हेमला रेणुका उड़े, कविता हेमला और दत्तेवाड़ा शासकीय महेंद्र कर्मा महाविद्यालय से मांडवी शांति, भुष्मी मौर्य,साम कती दुर्गेश्वरी, भारती कुंजाम ममता, धृतिपा निषाद, पुनम भारती, प्रीति पटेल शामिल है वहीं युनिवर्सिटी टीम के मैनेजर शासकीय दत्तेवाड़ा कॉलेज के स्पोर्ट्स ऑफिसर मास्ति नंदन मरकाम है। पहली बार बस्तर युनिवर्सिटी की महिला सॉफ्टबॉल

टीम युनिवर्सिटी गेम्स में खेले जाएंगे वहीं जिला के कलेक्टर अनुराग पांडे सर और जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार सर प्रभारी खेल अधिकारी कॉलेज के प्राचार्य खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाइयां दी है वहीं खिलाड़ियों के साथ जिले के श्रम निरीक्षक एवं बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी के अंतरराष्ट्रीय कोच सोपान कर्णवीर भी मौजूद थे जिन्होंने ने समस्त जानकारी दी।

स्वयंसेवकों ने पौधारोपण कर किया लोगों को जागरूक : कन्नौजे

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

नगर के शासकीय गुण्डाधर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के वरिष्ठ स्वयंसेवकों के द्वारा रासेयो जिला संगठक कोण्डागांव शशिभूषण कन्नौजे, कार्यक्रम अधिकारी समलेश पोटाई एवं रासेयो विशेष सलाहकार हनी चोपड़ा के मार्गदर्शन में दिनांक 31 मई 2024 को मिशन प्लानेशन के नाम से पौधारोपण कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें बहुत सारे स्वयंसेवकों ने बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया और इस अभियान को सफल बनाया। वरिष्ठ स्वयंसेवक तिलक मानिकपुरी, मुकेश पोयाम, गायत्री पोते, हेरेंद्र नाग, देवेन्द्र सेठिया, अजीत कुमार, जीवेश कोमरे एवम् साथी स्वयंसेवकों के द्वारा सर्वसहमति से यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें स्वयंसेवक सूर्यप्रकाश साहू/मीडिया



प्रभारी), अंजू पटेल, मुकेश पोयाम, अंजू बोस, लिशा बैध, बिंदिया नेताम, रूपेश ध्रुव, चांदनी चंदेल, रविकांत एवम् अन्य साथी स्वयंसेवकों ने विभिन्न प्रकार के पौधा लगाकर इस कार्यक्रम को सफल

बनाया। जिला संगठक शशिभूषण कन्नौजे ने बताया कि उनके निर्देशन में ऐसे वृक्षारोपण का कार्य रासेयो इकाईयों में हमेशा से होता आ रहा है, और यह बहुत जरूरी भी है, उन्होंने ये भी कहा की पेड़ पौधों से ही जीवन

है, हम सबको मिलकर इनको बचाना है और ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पेड़ पौधे लगाना है, अभी जो अत्यधिक गर्मी का इसानों को सामना करना पड़ रहा है, यह सिर्फ पेड़ों की कटाई की वजह से है।

तम्बाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा थीम पर मनाया गया विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

पायनियर संवाददाता < बीजापुर
www.dailypioneer.com

प्रतिवर्ष 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तम्बाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा थीम निर्धारित किया गया है। बता दें कि वैश्विक वयस्क तम्बाकू सर्वेक्षण 2016-17 के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य की 39.1 प्रतिशत आबादी तम्बाकू अथवा तम्बाकू उत्पादों का उपयोग करती है। तथा वैश्विक युवा तम्बाकू सर्वेक्षण 2019 के अनुसार राज्य के 13 से 15 वर्ष के 8 प्रतिशत शाला प्रवेशी बच्चे भी तम्बाकू की लत की चपेट में आ चुके हैं। ऐसे में सभी को मिलकर तम्बाकू एवं तम्बाकू उत्पादों से बच्चों को सुरक्षित रखने



का प्रयास करना आवश्यक है। जिला कलेक्टर अनुराग पाण्डेय के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. आर. पुजारी के मार्गदर्शन से विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर

कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत कार्यालय सहित शैक्षणिक संस्थाओं के समीप पीली पट्टिका अभियान चलाकर कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों में तम्बाकू का उपयोग नहीं करने जागरूकता अभियान चलाया

गया। तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ. मनोज लम्बाड़ी द्वारा बताया गया कि विकासखण्ड स्तर पर नामांकित नोडल अधिकारियों द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं में जागरूकता एवं चित्रकला कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विकासखण्ड भोपालपटनम में खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. चेलापती राव एवं विकासखण्ड नोडल अधिकारी डॉ. पी. चंद्रशेखर के माध्यम से कोटाप 2003 के प्रावधानों की निगरानी की गई। तथा सार्वजनिक स्थानों एवं शैक्षणिक संस्थाओं के समीप धुप्रदान करने वालों 18 लोगों पर प्रावधान अनुसार कार्यवाही कर 3600 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया।

स्कूल में नामांकन बढ़ाने चल रहा पालक सम्पर्क अभियान



पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

अभी स्कूल खुलने में लगभग पन्द्रह दिनों का समय बचा है। पर नए शिक्षा सत्र में शत प्रतिशत नामांकन करने व ड्रॉप आउट कम करने शिक्षकों ने कम्प कस ली है। प्राथमिक शाला जोन्दरा पदर की प्रधान अध्यापक मधु तिवारी निरन्तर प्रयास कर रही है। की कोई

बच्चा प्रवेश से छूट न जाये शिक्षक टोली बना धर घर जाकर बालिका शिक्षा व प्रवेश लेने हेतु प्रोत्साहित कर रही है। सरकारी स्कूल में मिलने वाली निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, मध्यान्ध भोजन निशुल्क गणवेश, प्रशिक्षित शिक्षक आनन्दमयी वातावरण में शिक्षा खेलकूद हेतु मैदान आदि विशेषतायें बता पालकों को प्रोत्साहित कर रही है। इसका

असर अब दिखने लगा हैजब समर केम्प के दौरान पालक प्रवेश हेतु पहुंच रहे है।परिणाम यह हुआ की निजी विद्यालय में जाने वाले बच्चे भी प्राथमिक शाला जोन्दरा पदर में प्रवेश ले रहे है। साथ ही पालकों को शाला त्यागी बच्चों को स्कूल भेजने समझा रही है। विद्यालय में पढ़ने वाले पूर्व छात्र छात्राएं भी इस कार्य में सहयोग कर रहे है।

असर अब दिखने लगा हैजब समर केम्प के दौरान पालक प्रवेश हेतु पहुंच रहे है।परिणाम यह हुआ की निजी विद्यालय में जाने वाले बच्चे भी प्राथमिक शाला जोन्दरा पदर में प्रवेश ले रहे है। साथ ही पालकों को शाला त्यागी बच्चों को स्कूल भेजने समझा रही है। विद्यालय में पढ़ने वाले पूर्व छात्र छात्राएं भी इस कार्य में सहयोग कर रहे है।

शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आज पर्यावरण संरक्षण और हमारा दायित्व विषय पर परिचर्चा

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ग्राम विकास प्रभाग की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रविवार 02 जून को सुबह 09 बजे विधानसभा रोड स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में परिचर्चा रखी गयी है। विषय होगा-पर्यावरण संरक्षण और हमारा दायित्व। परिचर्चा में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी प्रेम कुमार, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक विकास योजना अरुण कुमार पाण्डे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनिल कुमार साहू भाग लेंगे। समारोह की अध्यक्षता रायपुर केन्द्र की प्रवेशी प्रमुख उद्बोधन ब्रह्मकुमारी नीलम दीदी का होगा। इस अवसर पर वन और जल संरक्षण के उपायों पर चर्चा की जाएगी।

एएम-एनएस इंडिया द्वारा पाइपलाइन गांवों में हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा बड़पदर और नुआगुडा जीपी के पाइपलाइन कॉरिडोर गांवों में 2 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 220 ग्रामीणों ने भाग लिया। जिसमें उन्हें निः शुल्क पैथोलॉजिकल जांच के साथ ही निः शुल्क परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया गया। एएम/एनएस इंडिया द्वारा मिश्रा कैम्प किरंदुल में निः शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 85 ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सीएसआर टीम (एएम/ एनएस इंडिया) किरंदुल, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों सहित ग्रामीणों की उपस्थिति रही। एएम/एनएस इंडिया कम्पनी द्वारा पाइपलाइन गांवों में



एवं स्थानीय आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिससे स्थानीय

समुदायों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। साथ ही उन्हें बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन की दिशा में प्रेरित किया जा सके।

सेजेस बडेराजपुर में समर केम्प का हुआ समापन बच्चों में बहुमुखी कौशल विकास का किया गया प्रयास : सीएल मरकाम

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

जिला शिक्षा अधिकारी आदित्य चांडक के निर्देशानुसार कोण्डागांव जिले के बडेराजपुर विकासखंड के ग्राम बडेराजपुर में संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्च अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में छात्र-छात्राओं के मध्य परस्पर रचनात्मक गतिविधियों के आदान-प्रदान हेतु समर कैम्प का शुभारंभ किया गया। जिससे उनमें बहुमुखी कौशल का विकास किया जा सके। इस कैम्प में प्रतिदिन चित्रकारी, गायन, वादन, योग, निबंध लेखन, कहानी लेखन, हस्तलिपि लेखन, नृत्य, खेलकूद, पारंपरिक खेल, अपने गांव या शहर का ऐतिहासिक परिचय के साथ ही अन्य रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा गया। कार्यक्रम में बच्चों ने पालकों और शिक्षकों के समक्ष सीखी गई कलाओं का प्रदर्शन किया। संस्था के प्राचार्य सी



एल मरकाम ने उपस्थित पालकों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि समर कैम्प जैसे आयोजनों से बच्चों की अभिरुचि और क्षमताओं का अकलन करने और उनकी प्रतिभाओं को

प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है, जिससे वे प्रतिभा में अपनी प्रतिभा के अनुसार अपने करियर का चयन आसानी से कर सकें। पालकों को भी अपने बच्चों के भविष्य का चयन करने

में सहायता मिलती है, वे अपने बच्चों की प्रतिभाओं के आधार पर उनके आगामी अध्ययन का चयन आसानी से कर सकेंगे। साथ ही समर कैम्प में आने से बच्चों का विद्यालय के प्रति



जुड़ाव और उनका शारीरिक और मानसिक क्षमताओं का भी विकास होता है। उपरोक्त कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य सी एल मरकाम सहित समस्त शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

जुड़ाव और उनका शारीरिक और मानसिक क्षमताओं का भी विकास होता है। उपरोक्त कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य सी एल मरकाम सहित समस्त शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

जुड़ाव और उनका शारीरिक और मानसिक क्षमताओं का भी विकास होता है। उपरोक्त कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य सी एल मरकाम सहित समस्त शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।



मृतक बजरंग दल के परिवार से नेताम करेंगे मुलाकात

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश के कृषि मंत्री एवं रामानुजगंज विधानसभा के विधायक राम विचार नेताम 3 जून 2024 दिन सोमवार को मृतक बजरंग दल के जिला सहसंयोजक सुजीत सोनी व शहीदशुदा युवती किरण काशी के परिजनों से मुलाकात करेंगे उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण शामिल रहेंगे। वैसे तो राम विचार नेताम अपने जिला एवं क्षेत्र के पीड़ित परिवारों से हमेशा उनके दुख सुख में शामिल होकर मदद करते चले आ रहे हैं। कभी विभिन्न परिस्थितियों के कारण मौके पर नहीं पहुंच पाने के कारण दूरभाष से जरूर संपर्क कर वस्तु स्थिति का जायजा लेते हैं। और जैसे ही उनको मौका मिलता है वैसे ही वह पीड़ित परिवार को संतावना एवं ढाड़स बधाने उनके घर जरूर पहुंचते हैं। इसी कड़ी में उक्त पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुनने के उपरांत समाधान के लिए आगे की रण नीति पर चर्चा करेंगे।

संपादकीय

लोकसभा चुनाव अंतिम चरण

लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण 1 जून को समाप्त हो जाएगा। दुनिया का सबसे बड़ा चुनावी मुकामला 1 जून को सातवें चरण के मतदान के साथ संपूर्ण हो जाएगा। इसके पहले हफ्तों चले प्रचार अभियान और नारेबाजी ने युद्ध का मैदान सजा रखा था जिसमें अनेक वादे और अपीलें की गईं। प्रमुख गठबंधनों- 'राजग' और 'इंडिया' ने मतदाताओं का समर्थन प्राप्त करने के लिए रणनीतिक तरीके से संदेश प्रसारित किए। जहां तक नारे गढ़ने का सवाल है निश्चित रूप से भाजपा नीत राजग आगे रहा। उसने मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के लिए अनेक आकर्षक नारे बनाए। उसका प्रचार अभियान मुख्यतः 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' भावना पर केन्द्रित रहा। राजग के एक और नारे 'नया भारत' का लक्ष्य एक प्रगतिशील एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र का दृष्टिकोण सामने रखना था। इसके साथ ही उसने 'आत्मनिर्भर भारत' का नारा दिया जिससे स्थानीय उद्योगों के विकास तथा विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता घटाने के राजग के लक्ष्य का पता चलता था। इसके साथ ही राजग ने कुछ आकर्षक नारे या 'जुमले' भी उछाले ताकि उसे 'सबसे ऊंचा स्थान' मिल सके। इनमें 'अबकी बार 400 पार' तथा 'मोदी की गारंटी' शामिल हैं। राजग का चुनाव मुख्यतः उसके 'संकल्प पत्र' या चुनाव घोषणापत्र पर केन्द्रित रहा। इसमें आर्थिक प्रगति पर जोर देते हुए 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' तथा अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में प्राप्त उपलब्धियों को रेखांकित किया गया था। राजग गठबंधन ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के अपने प्रयासों को भी रेखांकित किया है। राजग का स्पष्ट संदेश है कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए मजबूत नेतृत्व जरूरी है। इस मामले में पीछे न रहने की प्रतिव्योगिता में 'इंडिया' समूह ने भी मतदाताओं



के दिल तक पहुंचने के लिए अनेक नारे तैयार किए। मोदी सरकार की अलोकप्रिय नीतियों की आलोचना करने वाले नारों को प्रमुखता दी गई। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी नेताओं को जेल में बंद कर लोकतंत्र को नुकसान पहुंच रही है। 'जय जवान, जय किसान, जय संविधान' इसी भावना पर आधारित है। कथित विभाजनकारी नीतियों का सामना करने तथा देश के विविधभूभागों को जोड़ने के लिए 'भारत जोड़ो' का आह्वान किया गया। यह नारा राहुल गांधी की भारत जोड़ो पद यात्रा से प्रेरित था। 'इंडिया' का एक और आकर्षक नारा 'न्याय' रहा जिसमें केंद्रीय को संबोधित करते हुए समतापूर्ण विकास का वादा किया गया था। 'इंडिया' गठबंधन ने स्वयं को सामाजिक न्याय के संरक्षक, हाशियाकृत समुदायों की प्रगति हेतु प्रतिबद्ध, अल्पसंख्यकों के अधिकार सुनिश्चित करने तथा जाति-आधारित व धार्मिक भेदभाव समाप्त करने वाले को तरह पेश किया। 'इंडिया' समूह ने किसानों की आत्महत्या, अनुपयुक्त न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी तथा समग्र कृषि सुधारों की बात की। उसका मुख्य दृष्टिकोण 'लोकतंत्र बचाओ' था। राजग ने राष्ट्रीय सुरक्षा, और अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डालर की बनाने पर जोर दिया, जबकि 'इंडिया' व्यक्तियों की पीड़ा तथा आर्थिक कठिनाइयों पर ज्यादा केन्द्रित रहा। सामाजिक न्याय और समावेशन पर 'इंडिया' का जोर स्वयं को हाशियाकृत अनुभव करने वाले मतदाताओं को आकर्षित करना था। उसके वादों का संबंध कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान तथा लोकतांत्रिक मूल्य बनाए रखने पर था। इसका उद्देश्य ग्रामीण मतदाताओं, किसानों तथा शिशु शहरी मतदाताओं को आकर्षित करना था। 4 जून को पता चलेगा कि वास्तव में किसने मतदाताओं को प्रभावित किया।

आरोपों-प्रत्यारोपों से भरा चुनाव

इस चुनाव में संवैधानिक मूल्यों से छेड़छाड़ के आरोप केन्द्र में रहे। इसके साथ ही कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने का मुद्दा भी चर्चा का विषय रहा।



शियाजी सरकार (लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

इस चुनाव में संवैधानिक मूल्यों से छेड़छाड़ के आरोप केन्द्र में रहे। इसके साथ ही कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने का मुद्दा भी चर्चा का विषय रहा। वर्तमान लोकसभा चुनाव एक प्रकार से सबसे विचित्र चुनाव रहा। इसमें कोई मतदाता बोल नहीं रहा था जिससे स्पष्ट है कि चुनाव में कोई 'लहर' नहीं थी। इसके साथ ही निर्वाचन आयोग ने आदर्श आचार संहिता के आधार पर बने नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रचारकों को चेतावनी दी। चुनाव में बढ़ती कीमतों और बेरोजगारी के साथ ही संविधान की रक्षा प्रमुख चिन्ता के रूप में सामने आई। चुनाव में आरोप लगे कि लोगों के अधिकारों पर हमला हो रहा है, खासकर इस बात पर जोर दिया गया कि दलितों, ओबीसी, अनुसूचित जनजातियों व अन्य हाशियाकृत वर्गों के लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं।



उसकी डा. वी. आर. अंबेडकर द्वारा बनाए पवित्र संविधान को उलटने की इच्छा का संकेत बता रहे हैं। कम से कम इस मामले में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' काफ़ी आक्रामक रहा और भाजपा तथा भाजपा नीत 'राजग' इन आरोपों के खंडन में व्यस्त रहे। एक के बाद दूसरी रैलियों में भाजपा और राजग नेताओं ने इन आरोपों का खंडन किया कि वे संविधान बदलने तथा उसके मूलभूत सिद्धान्तों में बदलाव का कोई इरादा रखते हैं। इसके साथ ही विपक्ष ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाए कि वह सार्वजनिक क्षेत्र अभियान का एक अन्य प्रमुख तत्व राहुल गांधी द्वारा रायबरेली से तथा उनके परिवारों मित्र किशोरी लाल शर्मा का अमेठी से चुनाव लड़ना रहा। इसे 'रायबरेली परिघटना' का नाम दिया गया। इससे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के कार्यकर्ताओं में लगाभ हर जगह उत्साह भर दिया। इस गठबंधन में आप, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस शामिल हैं। इस परिघटना ने विपक्षी पार्टियों में जोश भर दिया जो चुनाव में विजय के सारे प्रयास कर रही हैं। इसके उलट खासकर इन क्षेत्रों में भाजपा नेताओं की बैठकों में तुलनात्मक रूप से कम भीड़ दिखाई। भाजपा नेताओं ने बार-बार कहा कि उनका संविधान में परिवर्तन का कोई इरादा नहीं है। लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल भाजपा के '400 पार' नारे को

भी खूब उछाला। यह मामला एक दोधारी तलवार की तरह है। एक ओर इसके निशाने पर तुणमूल कांग्रेस तथा परिचम बंगल सरकार थी, वहीं केन्द्र सरकार भी इस मुद्दे से पूरी तरह हाथ नहीं झाड़ सकती है। लोकसभा चुनाव में बढ़ती कीमतों का मुद्दा छाया रहा। इसके साथ ही धार्मिक मुद्दे भी चर्चा में रहे। विपक्षी दलों और कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 'अग्निवीर' योजना के माध्यम से रखे जाने वाले अंशकालिक सैनिकों के कारण देश की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। भाजपा नेताओं ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि 'अग्निवीरों' के एक हिस्से को सेना में स्थाई किया जाएगा, जबकि बाकी को पुलिस व अर्धसैनिक बलों में नौकरियों में वरीयता दी जाएगी। विपक्ष का दावा है कि उसकी बातों को जनता बहुत ध्यान से सुनती है और उन्होंने जनता में उम्मीदें जगाई हैं। विपक्षी नेता सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा दी जाने वाली गारंटियों का मजाक उड़ाते दिखते हैं। लेकिन इसके बावजूद इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण तथा विपक्षी दलों द्वारा 'अल्पसंख्यक तुष्टीकरण' का उत्तर प्रदेश तथा हिंदी क्षेत्र के अन्य प्रदेशों पर व्यापक असर है। भाजपा नेता बार-बार जनता को याद दिलाते हैं कि किस प्रकार कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने राम मंदिर मुद्दे को

लटकाने का प्रयास किया तथा उन्होंने राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लेने का निमंत्रण तक पुकार दिया। विपक्ष की नजरों में अब तक किलो मुफ्त राशन का मुद्दा महत्वपूर्ण नहीं रहा है। लोगों को उम्मीद है कि जो भी सरकार सत्ता में आए अब उनको पांच किलो मुफ्त राशन मिलना रहेगा। शायद विपक्ष इस मुद्दे की गंभीरता को शुरूआत में समझ नहीं पाया, इसलिए चार दौर का मतदान समाप्त होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष को कहना पड़ा कि वे सत्ता में आने पर दस किलो राशन मुफ्त देंगे। नौकरियों का मुद्दा भी चुनाव में प्रमुख स्थान पर रहा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आश्वासन दिया कि वे प्रति बेरोजगार अग्रेंटिसिपिप के लिए एक लाख रुपये की गारंटी देंगे। इसके साथ ही उन्होंने हर गरीब महिला को एक लाख रुपये देने का वादा किया। राहुल गांधी ने जोर दिया कि 'यह पैसा परिवार के लिए है।' भाजपा नेताओं ने जोर देकर कहा है कि मोदी सरकार के दस साल का कामकाज 'अभी केवल टूट रहा है।' हालांकि, भाजपा के विमर्श को इससे थोड़ा झटका लगा कि सर्वोच्च न्यायालय ने न्यूक्लिकल के पत्रकार प्रवीर पुरकायस्थ की हिरासत को अवैध मान कर उनको रिहा कर दिया। ऐसा लगता है कि चुनाव प्रचार अभियान आगे बढ़ने के साथ ही अधिकांश खबरिया चैनल और अखबार विपक्षी

नेताओं को भी थोड़ा स्पेस देने लगे हैं जो विपक्ष के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है। हालांकि, भाजपा ने आरक्षण का मुद्दा डालने का प्रयास किया, पर बिहार में जातीय गणना और इस नारे के कारण इस नया जीवन मिला है कि 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।' स्पष्ट है कि आरक्षण बना रहेगा और भारतीयों को उससे संगति बैठानी पड़ेगी। विपक्ष इस मुद्दे पर भाजपा को घेरने का प्रयास कर रहा है। कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करना टीएमसी नेता ममता बनर्जी के लिए गहरा धक्का है, पर इससे देश में आरक्षण का महत्व कम होने वाला नहीं है। इस लोकसभा चुनाव में क्षेत्रीय शक्तियों का उभार बहुत महत्वपूर्ण रहा है। कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, असम, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब में मुख्य विपक्षी दल हैं। इसके साथ ही उन्होंने गुजरात में भी अपने लिए थोड़ा स्थान बनाया है। अधिकांश दक्षिण भारतीय राज्यों में क्षेत्रीय दलों को कांग्रेस से गठबंधन किया है। भाजपा इन सभी राज्यों में सीधे मुकाबले में है। इसके साथ ही वह बंगाल, ओडिशा, असम, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड व अन्य छोटे राज्यों में भी मुकाबले में है। इस चुनाव में कांटे की टक्कर है और परिणामों का पूर्वानुमान आसान नहीं है। भाजपा नेताओं का चुनाव प्रचार बहुत आक्रामक रहा है। विपक्ष का आरोप है कि उसने अपनी उपलब्धियों के बजाय भावनात्मक मुद्दों को ज्यादा प्रमुखता दी है। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि इस बार राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता पहले की तरह सक्रिय नहीं दिख रहे हैं जिनका प्रभाव उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है। देश में विभिन्न भाषाओं में अनेक प्रकार के चुनाव विमर्श हैं। इसका पता 4 जून को ही चलेगा कि मतदाताओं ने किस विमर्श को स्वीकार किया है। वर्तमान चुनावों के परिणाम का अनुमान लगाना आसान नहीं है। इस बार चुनाव में हर प्रकार की क्षेत्रीयतायें मौजूद हैं। 'खामोश मतदाता' 1 जून से आने वाले एफिक्ट पोल्सों को भी धोखा दे सकते हैं और वास्तविक चुनाव परिणाम इस बार एफिक्ट पोल्सों द्वारा व्यक्त अनुमानों के एकदम उलट भी हो सकते हैं।

विदेश नीति में एक नया अध्याय

है, जो एक संवेदनशील विषय है। भारत का रूस के साथ ऐतिहासिक संबंध रहा है, जिसने कभी भी संबंधों को बदलने का प्रयास नहीं किया है, हालांकि, रूस ने हाल ही में चीन के साथ घनिष्ठ संबंध बनाया शुरू कर दिया है, हाइड्रोकार्बन और प्रौद्योगिकी साझेदारी सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर सहयोग कर रहा है। इस बीच, भारत अमेरिका के साथ गठबंधन में शामिल है और इसे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में सही ढंग से पेश किया गया है। पीएम मोदी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि उनका तीसरा कार्यकाल यह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय पीएम लोकतांत्रिक रूप से चुने गए नेताओं में सबसे वरिष्ठ होंगे, क्योंकि वे भू-राजनीतिक मामलों में एक दशक के टेकटोनिक बदलावों के बाद काम करेंगे। उन्होंने संकेत दिया कि अधिक आत्मविश्वास भारत को अपने सहयोगियों के साथ नेटवर्क का विस्तार करते हुए अधिक जिम्मेदारी से काम



करना होगा, खासकर पड़ोस में आक्रामक चीन के साथ। यह कोई संयोग नहीं था कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने निक्केई फ्यूचर ऑफ एशिया फोरम पर एक मुख्य भाषण देते हुए कहा कि दुनिया भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और भू-आत्मविश्वास भारत को अपने सहयोगियों के साथ नेटवर्क का विस्तार करते हुए अधिक जिम्मेदारी से काम

आर्थिक और राजनीतिक पुनर्संतुलन हमें बहुध्रुवीयता की ओर ले जा रहा है। आज, वैश्विक व्यवस्था स्पष्ट रूप से तनाव में है, जिसमें एशिया और इंडो-पैसिफिक इस परिवर्तन का बहुत बड़ा हिस्सा हैं। लेकिन यह केवल बदलाव नहीं है जिसे हम देख रहे हैं; जोखिम उठाने की प्रवृत्ति भी बहुत अधिक है। यह यूक्रेन में संघर्ष, मध्य पूर्व में हिंसा और एशिया

और इंडो-पैसिफिक में अंतर्राष्ट्रीय कानून और समझौतों की अवहेलना में दिखाई देता है। इसके आर्थिक पहलू हैं, शायद इससे भी अधिक चिंताजनक। आपूर्ति शृंखला चुनौती, वैश्वीकरण से उत्पन्न अति-संकेन्द्रण और राज्यों द्वारा आर्थिक दबाव के उपयोग ने लचीलेपन और अतिरेक पर प्रीमियम लगाया है। प्रौद्योगिकी चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जिसने अंतर-प्रवेश और अंतर-निर्भरता का एक नया स्तर बनाया है। श्री जयशंकर ने पूर्व, पश्चिम और हिंद महासागर में पड़ोसियों पर दृढ़ ध्यान देने के साथ भारत की भविष्य की सबसे बड़ी नीति की रूपरेखा को रेखांकित किया। उन्होंने भारत की प्रगति में हिंद-प्रशांत की केंद्रीयता पर भी प्रकाश डाला। सोमा पार सड़क अवसंरचना और एकीकृत बंदरगाह सुविधाओं ने हाल के दिनों में भारत की विदेश नीति में गति पाई है। ईरान स्थित चाबहार बंदरगाह, जिसका दीर्घकालिक रखरखाव अनुबंध भारत ने कुछ सप्ताह पहले हासिल किया था, महत्वपूर्ण भूमि-आबद्ध मध्य

एशियाई देशों और उससे आगे तक पहुंच प्रदान करता है, इसका हार्दिक उदाहरण है। विदेश मंत्री ने अपने भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में सड़क और रेल नेटवर्क किस गति से बन रहे हैं, तब भी जब दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में से एक, भारत अतिरेक पर प्रीमियम लगाया है। प्रौद्योगिकी चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जिसने अंतर-प्रवेश और अंतर-निर्भरता का एक नया स्तर बनाया है। श्री जयशंकर ने पूर्व, पश्चिम और हिंद महासागर में पड़ोसियों पर दृढ़ ध्यान देने के साथ भारत की भविष्य की सबसे बड़ी नीति की रूपरेखा को रेखांकित किया। उन्होंने भारत की प्रगति में हिंद-प्रशांत की केंद्रीयता पर भी प्रकाश डाला। सोमा पार सड़क अवसंरचना और एकीकृत बंदरगाह सुविधाओं ने हाल के दिनों में भारत की विदेश नीति में गति पाई है। ईरान स्थित चाबहार बंदरगाह, जिसका दीर्घकालिक रखरखाव अनुबंध भारत ने कुछ सप्ताह पहले हासिल किया था, महत्वपूर्ण भूमि-आबद्ध मध्य

आप की बात

निर्र्थक आरोप
मोदी सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर किए गए कार्य और गत 10 वर्षों में संविधान के विषय में एनडीए सरकार का रवैया देखते हुए देश में किसी को संविधान में हेराफेरी की कोई शंका नहीं है। विपक्ष इस संबंध में भाजपा पर निरर्थक आरोप लगा रहा है। संविधान नहीं बदला जाएगा, बल्कि संविधान में मौजूद मनमाने ढंग से जोड़ी धाराओं को जनता के साथ विचार-विमर्श के बाद हटाना उचित होगा। अतीत में संविधान के अर्थव्यवस्था के शुरू में लगे हुए भगवान राम और कृष्ण के चित्रों को हटाना या तथा चुनी हुई राज्य सरकारों को संविधान को ताक पर रखकर बड़े पैमाने पर बर्खास्त किया गया। यह सब संविधान के साथ किया गया अत्याचार है। कांग्रेस ने 44वें संविधान संशोधन से पूरा संविधान उलट दिया था, जिसे इंदिरा गांधी के पराजित होने के बाद मोरारजी देसाई सरकार ने पूरी तरह हटा दिया। इसी प्रकार यदि मूल संविधान से की गई गलत छेड़छाड़ को पुनः व्यवस्थित किया जाता है तो यह मूल संविधान का संरक्षण ही होगा। आज अधिकांश जनता अच्छी तरह जानती है कि संविधान के साथ किसने क्या किया है और भविष्य में कौन क्या कर सकता है। संविधान पर खतरे के निरर्थक विपक्षी आरोप का जवाब जनता अपने फैसले से 4 जून को चुनाव परिणाम में देगी।
- विभूति बुपक्या, खाचरोद

मोदी-विरोधी बयानबाजी
कांग्रेसी सत्ता में नहीं है मगर उनके समर्थक बयानबाजों को यह यथार्थ दस साल बाद भी समझ में नहीं आया है। देश के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों की जनता की संपूर्ण आस्था उनके प्रति जुड़ी रहती है। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण तक कांग्रेसी व विपक्षियों की प्रधानमंत्री के प्रति भाषा-शैली सारी सोमाएं लांघ चुकी है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी को कहना पड़ा है कि गाली प्रूफ होने के बावजूद मुझे भी बोलना आता है। जब मैं बोलूंगा तो आपकी सात पुरतों का बखान जनता के सामने कर दूंगा। विडंबना है कि कांग्रेसी नेता मोदी-विरोध में चलते हुए देश-विरोधी व सेना-विरोधी बयान देने लगे हैं। ऐसे पाकिस्तान-समर्थक नेता अगर पाकिस्तान में होते तो अग्निवीर जैसी देश की सुरक्षा को मजबूत करने वाली योजना पर अर्नगल बयानबाजी जनरलों के डर से न करते। निर्वाचन आयोग के निर्देश के बावजूद यह प्रवृत्ति जारी है। ऐसे में पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वी.के. सिंह का यह कथन उचित है कि सेना की योजनाओं पर बयान देने वाले पहले सेना में सेवा कर जमीनी यथार्थ समझने का प्रयास करें।
- मनमोहन राजावत, शाजापुर

इरडा का फैसला
अल्पसंख्यक उच्च प्रीमियम दरें वसूल की जाती हैं। इस प्रकार बीमा कंपनियों का उद्देश्य सेवा करने के बजाय धन कमाना हो गया है। इसमें भारतीय जीवन बीमा निगम भी शामिल है। बीमा कंपनी द्वारा आधी किराए पर भरे के गड़बड़ियां दूर करेगा जो पालिसी धारकों के लिए परेशानी का सबब बनती है। इरडा का यह सक्लर स्वागत योग्य है मगर इसके पालन के लिए निगरानी तंत्र बनाना होगा। पालन में देरी करने वालों पर जुर्माने का प्रावधान होना चाहिए। सोनियर सिटीजंस को बीमा के सबसे ज्यादा जरूरत होती है और बीमा कंपनियों 60 वर्ष से अधिक उम्र वालों का बीमा नहीं करती है या

पायनियर हलचल...

केट के दरवाजे से जीपी की छत्तीसगढ़ एन्ट्री

सीनियर आईपीएस जीपी सिंह के छत्तीसगढ़ वापसी के रास्ते लगभग खुल गए हैं। केट के रास्ते जीपी एक बार फिर छत्तीसगढ़ एन्ट्री करने जा रहे हैं। कहा तो यह भी जा रहा था कि राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के एक बड़े घोटाले की पोल खोलने में जीपी सिंह की अहम भूमिका रही है। बहरहाल सच क्या है? यह तो जीपी ही जानेंगे। लेकिन आचार संहिता के बाद जीपी सिंह की राह पर एजीडी स्तर के अपफर्सों को कमना मिला करती थी। बहरहाल आगे क्या होगा इसका खुलासा तो आने वाले दिनों में ही होगा।



मूणत के साथ पुरंदर भी रस में



कहते हैं कि राजनीति में किसके भाग्य कब खुल जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। बसना से टिकट मांग रहे पुरंदर मिश्रा को रायपुर उतर से टिकट मिल गई। टिकट ही नहीं मिली बल्कि भगवान महाप्रभू की कृपा से पुरंदर ने स्कूटी वाले सरदार जी को घर बैठा दिया। पुरंदर के चुनाव जीतने के बाद राज्य में उत्कल समाज का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है। वहीं भाजपा के तामाम नेता उड़ीसा में सीटों को बढ़ाने के साथ ही नवीन बाबू को पटकनी देने की कोशिश कर रहे हैं। केबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल चुनाव परिणाम के बाद दिल्ली की यात्रा में चल देंगे। ऐसे में रायपुर से किसी एक विधायक को जगह मिल सकती है, जिसमें राजेश मूणत का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। लेकिन समय नजदीक आते ही इस रस में महाप्रभू के भक्त पुरंदर मिश्रा भी शामिल हो चुके हैं। दरअसल में पुराने चेहरों को लेकर भाजपा अभी भी हॉ या न की स्थिति में है। ऐसे में आगे क्या होगा इस पर कुछ कहा नहीं जा सकता। वहीं पहले से रिक्त एक और मंत्री पद के लिए बिलासपुर से अमर अग्रवाल और सरगुजा से रेणुका सिंह की भी चर्चा है।

केज आवंटन पर खेल

मतस्य पालन विभाग इन दिनों सुखियों में है, कुछ दिन पहले तक इस विभाग को कोई ठीक से जानता भी नहीं रहा होगा। लेकिन इस विभाग में जमकर कारनामे हुए। केज के आवंटन में राशि की जमकर बढ़ावा देकर कई जगह अधिकारियों ने अपने रिस्तेदारों, ड्रायवर्स, नौकरों के नाम भी केज आवंटन करा लिया। अब इसकी परतें खुल रही हैं। दरअसल में इस व्यवसाय में न ही कोई बड़ा गोदाम चाहिए, न ही कोई बड़ी जमीन चाहिए, न ही कोई बड़ी रकम, किराये में भी कोई बड़ी राशि खर्च नहीं करनी है। सरकारी जलाशयों का उपयोग करके आप रातों-रात करोड़पति बन सकते हैं। इस विभाग में कार्यरत रहे कई अधिकारी करोड़पति बन भी चुके हैं। पूंजी भी लगाने की जरूरत नहीं है, इसमें 100 प्रतिशत तक की सब्सिडी लट्टने की भी खबर सामने आई है।

योगेश की रायपुर वापसी?

कभी रायपुर में बृजमोहन अग्रवाल से दो-दो हाथ करने वाले योगेश तिवारी की इन दिनों बृजमोहन के साथ नजदीकियों के अलग ही राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक जमीन मजबूत करने योगेश रायपुर से बेमेतरा चले गए। बेमेतरा में अपनी पकड़ मजबूत बनाने के बाद वह फिर रायपुर का रुख करते हुए दिख रहे हैं। दरअसल में योगेश तिवारी राज्य में किसान नेता के रूप में अपनी छवि गढ़ने में सफल होने के बाद विधानसभा चुनाव के ठीक पहले भाजपा का दामन थाम लिया। लेकिन भाजपा ने योगेश को बेमेतरा से मौका नहीं दिया। कुछ लोगों का कहना यह भी है कि उसी समय योगेश तिवारी को आश्वासन दे दिया गया था कि आपको रायपुर वापस भेजा जाएगा। शायद इसीलिए अपने जन्म दिन के अवसर पर योगेश ने बेमेतरा छोड़ रायपुर में शक्ति प्रदर्शन किया। यहीं नहीं बृजमोहन अग्रवाल का हाथ पकड़कर सैकड़ों केक काटे गए। कहा तो यह भी जा रहा है कि बृजमोहन के दिल्ली एक्सप्रेस में सवार होते ही, योगेश राजधानी एक्सप्रेस का सफर कर सकते हैं।

सोसर के लिए एक रुपया भी नहीं हुआ जारी



राज्य में गर्मी का प्रकोप देखते ही बनता है। इस भीषण गर्मी में लगभग सभी जलाशय सूखने के कगार पर हैं। आदमी के साथ वन्यजीवों पर भी इसका खासा प्रभाव देखा जा रहा है। वनों के भीतर पानी की कितनी व्यवस्था है इस पर सवाल उठ रहे हैं। जब बड़े-बड़े जलाशय सूख गए हैं, तो वनों के भीतर पानी की क्या दशा होगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि वनप्रणियों के पानी उपलब्धता के लिए वनों के भीतर सोसर का निर्माण किया जाता है। इन सोसरों में टैंकों के माध्यम से पानी भरे जाते हैं। जिससे जानवरों को गर्मी के मौसम में आसानी से जल उपलब्ध हो जाता है। हद तो तब हो गई जब यह खबर सामने आई कि इस भीषण गर्मी में वाइल्ड लाइफ द्वारा सोसर के लिए एक रुपया का बजट जारी नहीं किया गया। आलम यह है कि पानी की तलाश में वन्यजीव गांवों की ओर भाग रहे हैं जहां पर वह अकाल मौत के शिकार हो जा रहे हैं। यह बात अलग है कि कुछ संवदेनशील अधिकारी वनमंडल स्तर पर पानी की व्यवस्था करने में जुटे हैं, लेकिन वाइल्ड लाइफ से सोसर के लिए इस वर्ष एक रुपया बजट जारी नहीं किया जाना उच्चस्त अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है।

भले ही मुआवजा 1-1 करोड़ देना पड़े, लेकिन फेक्ट्री को आंच नहीं

बेमेतरा की एक बरद फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। काम करने वाले मजदूरों के चीथड़े बरामद हुए, लेकिन उनकी सिनाख्त नहीं हो सकी और नहीं कितने लोगों की मौत हुई इसका वास्तविक खुलासा हो पाया। कहते हैं कि प्रबंधन ने हाजिरी रजिस्टर को ही गायब करा दिया। कौन-कौन ड्यूटी में उपस्थित थे इसका भी खुलासा नहीं हो पाया। फैक्ट्री के खिलाफ कार्यवाही करने में सत्ताधारी दल भाजपा के हाथ कांपा रहे हैं, नतीजन फैक्ट्री के एक मैनेजर के उपर एफआईआर दर्ज कर खाना पूर्ति की गई है। कहा यह जा रहा है कि यह फैक्ट्री मध्यप्रदेश के एक कद्दावर नेता रहे नामचीन चेहरे के दामाद की है। शायद इसीलिए यह अघोषित रूप से फरमान है कि मुआवजा चाहे 1-1 करोड़ रुपये देने पड़ जाएं, लेकिन फैक्ट्री को आंच नहीं आनी चाहिए। बहरहाल असली सत्यता का खुलासा तो जांच में ही हो पाएगा।

editor.pioneerairpur@gmail.com

फाईल मॉनिटरिंग सिस्टम में आवश्यक सुधार किए जाने की जरूरत : सोनमणि बोरा

प्रमुख सचिव ने आदिम जाति विभाग का किया औचक निरीक्षण

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा है कि विभाग में प्रचलित फाईल मॉनिटरिंग सिस्टम में आवश्यक सुधार किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कार्यालय की फाईलों को ढूढ़ने के संबंध में कोई उचित व्यवस्था ना होने से नरिस्तियों को ढूढ़ने में काफी समय लगता है साथ ही यह व्यवस्था वर्तमान समय में अनुपयोगी भी है। उन्होंने इसमें सुधार के लिए इडेक्स प्रणाली अपनाने पर जोर दिया जिसमें सभी नरिस्तियों की क्रमांकवार/विषयवार एंट्री की जाए, ताकि कोई भी फाईल ढूढ़ने में अनावश्यक विलंब से बचा जा सके। बोरा इंद्रवती भवन स्थित मुख्यालय के विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कामकाज की समीक्षा कर रहे थे। बैठक से पूर्व बोरा ने मुख्यालय



स्थित आदिम जाति विभाग के परिसर में घूमकर निरीक्षण किया एवं वहां पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों से उनके कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने कार्य की परंपरागत पद्धति में आवश्यक सुधार करने के निर्देश मौके पर उपस्थित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों में बहुत जल्द ई-ऑफिस कार्यप्रणाली शुरू होने वाली है। इससे ना

केवल कार्य में पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी, बल्कि कार्य में होने वाले अनावश्यक विलंब से भी बचा जा सकेगा। अतः विभाग में इस संबंध में पहले से ही प्रक्रिया पर कार्य शुरू करने के निर्देश उपस्थित अधिकारियों एवं नियुक्त एंजोसी के कर्मियों को दिए। सचिव सह आयुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा द्वारा विभागीय योजनाओं की सारगर्भित जानकारी दी गई एवं इसे पूर्ण

करने की कार्ययोजना को प्रस्तुत किया गया। प्रमुख सचिव बोरा ने विभागीय वेबसाईट को अपडेट किए जाने के निर्देश दिए। प्रत्येक शाखा की पुरानी सामग्री एवं ई-कचरा अर्थात् खराब इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों को कैसे डिस्पोजल एवं नीलामी की कार्यवाही की जा सकती है, इसके संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आपने कार्यालय की साफ-

सफाई पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने न्यायालयीन प्रकरणों का सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन एप्री करने हेतु पोर्टल बनाने के निर्देश दिए। पीएम-जनम योजना पर समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना हेतु आदिम जाति विभाग ही नोडल एंजोसी है अतः केन्द्र सरकार के गतिशक्ति पोर्टल की तरह ही राज्य स्तर पर भी डाटा संधारण हेतु एक पोर्टल बनाया जाए इस हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। वन अधिकार अधिनियम की समीक्षा करते हुए आपने ऑनलाइन पोर्टल में अपडेशन कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही इस संबंध में एक समय-सारणी जारी करने के भी निर्देश दिए गए। इसके अलावा अन्य विभागीय योजनाओं की अद्यतन प्रगति के संबंध में भी सक्षिप्त जानकारी ली गई एवं इसे पूर्ण करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

केन्द्रीय जेल रायपुर में बंदी कैदियों को सीसीटीवी इंस्टालेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, आरसेटी-रायपुर के माध्यम से केन्द्रीय जेल रायपुर में विचाराधीन एवं सजायापता कैदियों को कौशल विकास एवं स्वरोजगार के अहसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 दिवसीय इंस्टालेशन ऑफ सीसीटीवी कैमरा, फायर अलार्म एवं स्मोक डिटेक्टर विषय पर 34 कैदी को प्रशिक्षण प्रदाय किया गया, जिसमें



सीसीटीवी इंस्टालेशन की तकनीकी तथा उद्यमिता विकास के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदाय की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन संचालक नम्रता जैन की उपस्थिति में किया गया।

महात्मा गांधी के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राय शर्मनाक : दीपक बैज

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

निवृत्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बारे में यह कहना कि गांधी फिल्म के बाद दुनिया ने गांधी को जाना बेहद आपत्तिजनक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि गांधी शक्ति प्रेम के पुजारी थे। नरेंद्र मोदी सिर्फ नफरत को शर्मनाक करने वाला है। कैसे भारत का प्रधानमंत्री देश की आजादी के महानायक के बारे में ऐसी टिप्पणी कर सकता है। मोदी महात्मा गांधी के बारे में नहीं जानते तो यह उनका दुर्भाग्य है। महात्मा गांधी को सारी दुनिया



जानती है। 80 से अधिक देशों में उनकी मूर्ति लगी है। दुनिया भर के 120 से अधिक देशों में विश्वविद्यालयों में गांधी के अहिंसा के दर्शन को पढ़ाया जाता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि गांधी शक्ति प्रेम के पुजारी थे। नरेंद्र मोदी सिर्फ नफरत को शर्मनाक करने वाला है। कैसे भारत का प्रधानमंत्री देश की आजादी के महानायक के बारे में ऐसी टिप्पणी कर सकता है। मोदी महात्मा गांधी के बारे में नहीं जानते तो यह उनका दुर्भाग्य है। महात्मा गांधी को सारी दुनिया की बातें करते हैं। वे सही में गांधी को नहीं जानते हैं। गांधी के बारे में दुनिया को बताने के लिये किसी फिल्म की जरूरत नहीं थी। गांधी जी पर फिल्में बना कर किताबें लिखकर मीमांसा लिखकर कथाकार अगर हो गये। गांधी जी जब आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे तब मोदी के दल के पूर्वज आजादी की लड़ाई का विरोध कर रहे थे।

जीवित शरदः शतम्

मान. ओ.पी.चौधरी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

Happy Birthday

शुभेच्छु :- एक शुभचिंतक

रेल परिवार रायपुर मंडल के 31 सदस्य हुए सेवानिवृत्त



रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल परिवार के 31 सदस्य (23 सामान्य एवं 8 असामान्य) 31 मई को अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हुए। इस समारोह में सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी सुशील कुमार लकड़ा, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक विजय कुमार शर्मा, सेवानिवृत्त कर्मियों एवं उनके परिवार, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 31 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 04, विद्युत विभाग से 04, इंजीनियरिंग विभाग से 07, परिचालन विभाग से 08, टिकिटिंग विभाग 01, संकेत एवं दूरसंचार विभाग 01, कार्मिक विभाग से 01, सुरक्षा विभाग 01 एवं वाणिज्य विभाग से 04 कर्मचारी शामिल हैं। रेलवे इंस्टिट्यूट खारखर रेल विहार में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया। ई-पेमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये 12,44,69,260/- का भुगतान किया गया। पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आश्रितों का पास कार्ड, सेवा मेडल आदि 31 मई को प्रदान किया गया। सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी एवं सहायक मंडल वित्त प्रबंधक ने सभी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा के दौरान अपने दायित्वों का निर्वहन अच्छे से करने पर बधाई दी तथा स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए सेवानिवृत्त जीवन को अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ आनंदपूर्वक व्यतीत करने की बात कही, साथ ही सेवानिवृत्ति के दौरान मिली राशि को सही जगह निवेश करने की सलाह दी। अंत में उन्होंने सभी को सेवानिवृत्ति के पश्चात् सुखद भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं।

ई-वे बिल के संबंध में ट्रांसपोर्टर्स की बैठक



रायपुर। राज्य कर अपर आयुक्त द्वारा सिविल लाइंस स्थित महात्मा गांधी सभागार में रायपुर के ट्रांसपोर्टर्स की बैठक लेकर उन्हें ई-वे बिल के प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस बैठक में रायपुर के प्रमुख गुड्स ट्रांसपोर्टर्स सूप्रीम ट्रांसपोर्ट, दिल्ली छत्तीसगढ़ ट्रांसपोर्ट, जैन ट्रांसपोर्ट, मॉ भवानी ट्रांसपोर्ट, अशोक ट्रांसपोर्ट, इन्लैंड गुड्स ट्रांसपोर्ट, पंकज लोजिस्टिक्स, पाल गुड्स और राहुल ट्रांसपोर्ट इत्यादि के संचालक उपस्थित रहे। बैठक में अपर आयुक्त टी आर धुर्वे और संयुक्त आयुक्त नरेंद्र वर्मा द्वारा राज्य में जिले के भीतर ई वे बिल जारी करने से दी गई छूट समाप्त होने के बाद ट्रांसपोर्टर्स की भूमिका के बारे में उन्हें जानकारी दी गई। ई-वे बिल के प्रावधानों और राज्य के राजस्व संग्रहण में इसके महत्व के संदर्भ में एक पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्हें अवगत कराया गया। ट्रांसपोर्टर्स द्वारा राज्य के भीतर ई वे बिल जारी किए जाने से दी गई छूट को समाप्त किए जाने के सरकार के निर्णय का स्वागत किया गया और बताया गया कि वे इसके क्रियाचक्र में पूर्ण सहयोग करेंगे। ट्रांसपोर्टर्स द्वारा पूछे गए। ई वे बिल से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी अधिकारियों द्वारा दिये गए और उनसे सुझाव भी लिए गए।